RAJYA SABHA

Wednesday, the 4th September, 1991/ Bhadra 12, 1913 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Security arrangements for VVIP in Delhi

*121. SHRI AJIT P. K. JOGI:†

KUMARI ALIA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the particulars of the VVIPs who are getting special security arrangements in Delhi;

(b) the amount spent on their security during 1989-90 and 1990-91; and

(c) whether special battalions of Delhi Police are proposed to be raised for providing security to the VVIPs?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): (a) President, Vice-President and Prime Minister.

(b) 1989-90	1990-91
Rs. 10.33 crores	7.31 crores

(c) At present there is no such proposal.

श्री अजीत जोगी : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है उसको देखने से यह स्पष्ट है कि एक बहुत बड़ी राशि अति विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा पर व्यय होती है । फिर भी यह बड़े दुख की बात है कि इतनी बड़ी राशि व्यय करने के बावजूद भी जिस तरह की सुरक्षा हमें अति विशिष्ट व्यक्तियों को देनी चाहिये वैसी सुरक्षा हम उनको प्रदान नहीं कर पा रहे हैं । यही कारण है कि पूर्व में हमारे अत्यंत ही लोकप्रिय प्रधान मंत्री इस रक्षा में कमी होने के कारण हिंसा के शिकार हुए । इसलिये मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह जो सुरक्षा में कमी रह जाती है, जिसके कारण ऐसी हृदयविदारक घटनायें हुई हैं तो क्या इन दोनों घटनाओं के बाद आपके मंत्रालय ने इस पर कोई अध्ययन किया है और जो कमियां रह गई थीं क्या उनको दूर करने के उपाय किये गये हैं ? साथ ही जो प्रशासकीय जांच हुई थी, उसके क्या परिणाम निकले हैं और उनके आधार पर क्या सुधार किये गये हैं ? जो कमीशन बैठा था उसकी रिपोर्ट के आधार पर इन अतिविशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा के संबंध में क्या सुधार किये जा रहे हैं और ये जो सुधार किये जा रहे हैं उनके संबंध में क्या आप सदन को विश्वास में लेकर सदन को आश्वस्त करेंगे कि भविष्य में ऐसी कमियां नहीं रहेंगी जिससे राष्ट्र और देश को ऐसे लोकप्रिय नेताओं से महरूम होना पड़े ।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Sir, a Commission has been appointed and it will be too early for me to say anything before the Commission submits its report.

SHRI AJIT P. K. JOGI: Sir, earlier also, after Shrimati Gandhi's assassination, there must have been inquiries conducted in regard to that and there must have been some results of those inquiries. What new steps are being taken now?

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, about security steps it is very difficult to divulge all the details, but about the lapses which have been pointed out by the previous Commission, we have taken action in the matter. In the recent case we have still to get the report from the Verma Commission.

श्री अजीत जोगी : सभापति महोदय, इस प्रश्न के उत्तर में माननीय मंत्री जी ने तीन अति विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Ajit P. K. Jogi.

प्रदान करने का उल्लेख किया है । मैं माननीय मंत्री जी से यह भी जानना चाहूंगा कि इन तीन अति विशिष्ट व्यक्तियों के अतिरिक्त भी, देश की जो वर्तमान परिस्थितियां हैं, जो वर्तमान हालात हैं, उनको देखते हुए दूसरे व्यक्तियों को भी इसी प्रकार की सुरक्षा की आवश्यकता होती है । पूर्व में भी हमने देखा है, जो व्यक्ति देश सेवा में लगे हुए थे, ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा भी बहुत आवश्यक है, पुलिस के एक रिटायर अधिकारी श्री रेबरो पर हमला, जनरल वैद्य की हत्या और शिव शर्मा जो डाइरेक्टर जनरल, टेलीविजन थे, उनकी हत्या का प्रयास हुआ । तो मैं यह जानना चाहता हूं कि इन तीन अति विशिष्ट व्यक्तियों के अतिरिक्त अन्य कौन से व्यक्तियों को आप इस प्रकार की सुरक्षा प्रदान करते हैं और यह कौन तय करता है कि किन व्यक्तियों को यह सुरक्षा प्रदान की जाये ? किस तरह की केटेगरीज़ सुरक्षा प्रदान करने के लिए हैं, उसके संबंध में सदन को विश्वास में ले कर बताएं ।

SHRI M. M. JACOB: Sir, the security arrangements are mostly based on the perceptions, security perceptions, threat perceptions to a person's life assessed by the agencies that are entrusetd with that task, and based on the information collected through this kind of agencies, calculating the security perceptions, security is arranged. About the number of people who are given security, other than the VVIPs, I don't think, Sir, it is very proper for me to divulge all the details.

कुमारी आलिया : सभापति महोदय, मैं यह जानना चाहती हूं कि कब तक यह सुरक्षा प्रदान कर दी जाएगी ? मैं यह भी जानना चाहती हूं कि वी०वी०आई० पीज० के इलावा और भी जो खास व्यक्ति हैं जिनके जीवन को खतरा है उनके बारे में क्या डिसीजन लिया गया है ?

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, I want to know this from the hon. Home Minister. The questoin is that the VVIPs and other varieties also need security. The Home Minister himself has stated this. So, my question is on two counts. One is that the expenditure involved in providing this security is exorbitant. What has been mentioned is the three VVIPs. The expenditure on the three VVIPs, the President, the Vice-President and the Prime Minister, I can understand. But I see in Delhi a lot of people are getting security. It is turning into a status symbol. So, I want to know whether the Home Ministry, for heaven's sake would take a review. I have mentioned while I was speaking on the Budget that on the Shahjahan Road there are 20 bungalows. There are eight security gates. So, it is 8x10. This morning I stopped there because I thought that this question would come. I really beg of you...

MR. CHAIRMAN: He works very thoroughly.

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, we have no money.

MR. CHAIRMAN: Your question is whether we should have economy.

SHRI A. G. KULKARNI: Don't cut me short. I will put it in my own way.

MR. CHAIRMAN: Then put it quickly because you are first person to complain that many questions do not come up.

SHRI A. G. KULKARNI: No.

MR. CHAIRMAN: Please be short. I was trying to put it in short.

SHRI A. G. KULKARNI: What I want to know from the Minister is this. There are Secretaries to the Government. There are retired MPs. There are retired Governors of States. They are all in "Z" class. I just asked them: आप कितने लोग हैं । उसने बताया कि 10 गेट हैं । वह 10 गेट बोलता है । because that fellow was a Marathi. So, the point is whether you will take a review. I only want to say that a review is necessary on the process and pattern of providing the security.

Second, in western countries security is not provided by gun-toting people moving round the VVIPs. That creates a different impression. More input should be put in intelligence news and information so that you can save the man. Otherwise, only *Parmatma* is the available source to get saved.

MR. CHAIRMAN: Put more intelligence into their mind or leave it to God.

SHRI A. G. KULKARNI: You can invoke God because you are authorised to do it.

MR. CHAIRMAN: I depend on Him. You know it.

SHRI A. G. KULKARNI: Then we will all depend on him.

SHRI M. M. JACOB: The hon. Member has given a lot of suggestions. They are well noted and well taken. But the periodical review of the security perception is being taken.

SHRI A. G. KULKARNI: At least on my road would you stop that? I cannot walk in the morning.

SHRI S. B. CHAVAN: That is very difficult, because if the hon. MPs were to ask for security, we enquire into the matter and try to find out whether there is any threat. Some of the MPs do insist saying since it was given to them, let it continue for some time.

The other point is that the security normally is given on the threat perception. So long as the threat perception continues, it will have to be given. But I quite see the point of the hon. Member that we have to review the situation; and while taking the review, emphasis has to be on the intelligence part more rather than providing this kind of security.

MR. CHAIRMAN: I have also written to him about one MP, who wants protection. I have to ask him in his presence as to why he has not been given protection.

SHRI A. G. KULKARNI: That is not me.

MR. CHAIRMAN: I did not say "you". The terrorists will run away when they see you.

SHRI A. G. KULKARNI: My point is you have made security as status symbol. That is why they are asking. Make it an ordinary thing.

श्री चतुरानन मिश्र : सभापति महोदय, समाज का और पोलिटिक्स का जितनी तेजी से क्रिमिनलाइजेशन हो रहा है उससे बड़ी डिफीकल्ट सिचुएशन हो गयी है । गवर्नमेंट के लिए भी अगर एम०पीज० या एम०एल०एज० लोग सिक्योरिटी मांगें और नहीं दें तो गवर्नमेंट का फेल्योर होगा । दूसरी तरह जैसा कि हमारे बड़े भाई कुलकर्णी जी ने कहा कि सिक्योरिटी रखना एक स्टटस की बात हो गयी है । अब अजीबो-गरीब हालत में हम लोग हैं । इसके बाद लोगों को मारा जा रहा है, अटैक्स हो रहे हैं और हम लोग कुछ नहीं कर रहे हैं । मंत्री महोदय ने कहा कि पीरियोडिकल्स रिव्यू हम करते हैं । रिव्यू आप जो करते हों, मेरा एक प्रश्न है कि क्या लेटस्ट टेक्नालाजी से जहां क्राइम करने के ग्रुप फार्म होते हैं उनकी इंटीलीजेंस के बारे में कोई स्पेशल व्यवस्था करते हैं या नहीं क्योंकि जो कांस्पिरीटोरियल और क्रिमिनल ग्रुप्स फार्म होते हैं अगर उनको पकड़ने की कोशिश करेंगे तो बाकी चीजें आटोमैटिक पकड़ी जाएंगी । हमारा ख्याल है कि हमारी गवर्नमेंट उस पर ध्यान नहीं देती है और बड़ा ही डिटीरियोरेशन जो दूसरी सर्विसेज में भी है वह इंटलीजेंस में और भी ज्यादा है । इसलिए मैं मंत्री महोदय से स्पेसिफिक सवाल जानना चाहूंगा कि इंटलीजेंस को इस दिशा में रीओरियंट करने के लिए, कि फार्मेटिव स्टेज में ही डिटेक्ट करें, क्या कोई कार्यवाही पिछले कुछ वर्षों में आपने की हैं जो पहले से नयी बात हो, क्योंकि हम लोग देखते थे कि अंग्रेजी राज के जमाने में हम लोगों को पकड लेते थे और आप लोग नहीं पकड़ पाते हैं तो जरा इस पर प्रकाश डालें ।

श्री एस० बी० चव्हाण : ये जो ग्रुप फार्म होते हैं उस वक्त जरूर इस बात की

कोशिश की जाती है कि फार्मेटिव स्टेज के ऊपर ही उनके खिलाफ कुछ कार्यवाही अगर हो सकती है तो की जाए । लेकिन हमेशा ही इसके बारे में जानकारी मिलना मुश्किल हो जाता है । जहां पर मालूमात मिले इंटेलीजेंस के लोगों को भी . . .

श्री चतुरानन मिश्र : पहले से ज्यादा इन्फारमेशन फार्मेटिव स्टेज के बारे में गवर्नमेंट के पास आ रही है ? जो लोग कांस्पिरेसी करते हैं, गैंग बनाते हैं जिसको आपने फार्मेटिव स्टेज कहा उसके बारे में पहले से ज्यादा ऐसी रिपोर्टस आ रही हैं या नहीं आ रही हैं ?

श्री एस० बी० चव्हाण : आ रही हैं . . . (**व्यवधान**) डिटेक्ट की हैं ।

श्री चतुरानन मिश्र : अगर डिटेक्ट करते हैं तो कुछ बताइये कि कितनी रिपोर्टस आई हैं ?

श्री एस० बी० चव्हाण : डिटेक्ट करने के बाद वह बात बताई नहीं जाती है . . . डिटेक्ट करने के बाद . . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : कोशिश कर रहे हैं कि पहले से लग जाए । इंटेलीजेंस को ज्यादा स्टेथेन कर रहे है ।

श्री चतुरानन मिश्र : तब अपने से कोशिश करें कुछ ।

SHRI KAPIL VERMA: I would like to know what kind of special arrangements are made to provide security to former Prime Ministers. Secondly special expertise of intelligence is provided for SPG. I want to know whether something akin to that would be provided to the National Security Guards also, which are provided to other VIPs after they cease to be in office. If you do that that will solve many problems. will the Government reply to this?

SHRI M. M. JACOB: After the VVIPs demit office, security arrangements in their cases are reviewed periodically and special instructions are issued for special protection.

MR. CHAIRMAN: He is talking about former Prime Ministers.

SHRI M. M. JACOB: Precisely that is what I said. VVIPs, who demit office, that is what I mentioned. That is about former Prime Ministers.

SHRI KAPIL VERMA: Will special expertise and intelligence which are given to SGP also be provided to NSGs? Will they be trained in the same way so that many problems can be solved in regard to security of other VVIPs?

SHRI S. B. CHAVAN: It is not merely intelligence, SPG is specially meant for giving a kind of coverage to the persons who face threat. SPG is provided to them. NSG is not required for that purpose.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Mr. Chairman, Sir, the security staff to the VVIPs, VIPs and perhaps to NIPs has come in for question. In the meantime, I would request, through you, the Minister to reply as to what are the loopholes detected in the system of security. That cannot be a closely guarded secret. Naturally the names of Individuals may be a secret. May I know from the Minister what are the loopholes so far detected which were responsible for the assassination of an incumbent Prime Minister and also of a former Prime Minister?

The second part is: what is the perception which the Home Minister spoke of regarding the security of those who are not former Prime Ministers or who are not VVIPs?

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, the first part of the question is that the matter is before the Verma Commission and they are going into the details as to whether there have been security lapses on the part of the security staff.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Mr. Chairman, there is no question of one particular Commission.

MR. CHAIRMAN: He asked about other Commissions also.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: The security problem has been in existence for quite some time. It did not just come before 1989 or after 1991.

MR. CHAIRMAN: Are you taking care of it?

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: What loopholes have been detected by the Government itself without the help of the Commission or may be by an earlier Commission?

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, whatever lapses or shortcomings the Government finds, certainly we try to apply correctives. But I won't be in a position to tell him about it nor is it necessary for me to give all the details to the House because they are very secret matters. The person to whom the security is being provided, if the details are divulged, then, it loses all the significance.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Can he seek protection under such a plea?

MR. CHAIRMAN: Q. No. 122.

भारत में बने टेलीफोन संयंत्रों का अमरीका सरकार द्वारा खरीदा जाना

*122. **श्री राम जेठमलानी :**

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :†

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अमरीका सरकार ने हाल ही में भारत में बने कुछ टेलीफोन संयंत्रों को खरीदने का प्रस्ताव रखा है ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे संयंत्रों की कुल संख्या कितनी है और वे कितने मूल्य पर खरीदे जायेंगे ;

(ग) क्या सरकार इस मांग को पूरा करने की स्थिति में है ; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस मांग के कब तक पूरा किये जाने की संभावना है और इस सौदे में कितना मुनाफा कमाने की संभावना है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) No, Sir.

(b) to (d) Does not arise.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: Sir, before I put my first supplementary. I would like to point out a mistake done by the Translation Department of the Rajya Sabha Secretariat. My question was in Hindi and the words used for my original language was "संपर्क" .But when the translation was done it was put as "plants". Before I put my question to the hon. Minister, I would like to be reassured by him that he has not taken advantage of this mistake done by the Secretariat while answering the question because the answer that is provided protects him. If he reads the translation...

MR. CHAIRMAN: There is a correction in the English version.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: My first question was "Whether it is a fact that the U.S. Government have recently offered to purchase some telephone plants manufactured in India;". He says "No, Sir." So I just want an assurance from him that he understood my question correctly. Then, I would put my question to him.

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI RAJESH PILOT): Whatever question has been put to the Department, the information is available with me and I can give it to the hon. Member. If he wants to put any supplementary, I am ready to clarify it.

MR. CHAIRMAN: He says his question is about the telephone instruments. Have you answered about the telephone instru-

†The question was actually asked on the floor of the House by Dr. Jitendra Kumar Jain.